जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

20 सितम्बर 2023

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया में 'हिंदी साहित्य में महिला परिप्रेक्ष्य' पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

सरोजिनी नायडू महिला अध्ययन केंद्र ने राजनीति विज्ञान विभाग और सामाजिक विज्ञान संकाय के सहयोग से 20 सितंबर को हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़ा मनाने के लिए 'हिंदी साहित्य में महिला परिप्रेक्ष्य' पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। माननीय कुलपति, प्रो. नजमा अख्तर, के संरक्षण में कार्यक्रम आयोजित किया गया और अध्यक्षता प्रो. बुलबुल धर जेम्स (एसएनसीडब्ल्यूएस की निदेशक और राजनीति विज्ञान विभाग के एचओडी) और प्रो. मुस्लिम खान (सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन) ने की। प्रोफेसर जेम्स ने हिंदी साहित्य का एक मनोरम सिंहावलोकन प्रस्तुत किया।

इस साहित्यिक परंपरा में महिलाओं की. उनकी प्रारंभिक टिप्पणियों ने बौद्धिक जिज्ञासा को प्रज्वलित करते हुए हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़ा के उत्सव में गहराई और संदर्भ जोड़ा। सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के भारतीय भाषा केंद्र की प्रतिष्ठित शिक्षाविद् प्रोफेसर पूनम कुमारी शामिल थीं। हिंदी साहित्य के अपने व्यापक ज्ञान के लिए प्रसिद्ध प्रोफेसर कुमारी ने क्षेत्र में महिला-केंद्रित कथाओं के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष पर चर्चा की।

हिंदी साहित्य का. वीएलएमएएस के माध्यम से हिंदी साहित्य में अपने योगदान के लिए प्रशंसित प्रकाशक और अभिमान के संस्थापक नित्यानंद तिवारी ने महिलाओं के लिए हिंदी साहित्यिक विमर्श में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की अनिवार्यता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे समकालीन महिला लेखिकाएं कविता को एक सशक्त माध्यम के रूप में इस्तेमाल करती हैं|

अनुराधा पांडे, एक प्रसिद्ध कवयित्री और लेखिका, जो महिलाओं के अनुभवों और दृष्टिकोणों की गहन खोज के लिए जानी जाती हैं, उन्होंने समाज में महिलाओं द्वारा निभाई जाने वाली विविध भूमिकाओं को रेखांकित करते हुए अपनी कविताएँ पढ़ीं।

प्रोफेसर मुस्लिम खान ने हिंदी पखवाड़ा मनाने के महत्व पर प्रकाश डाला और संकाय सदस्यों को हिंदी में पढ़ने और लिखने में अधिक भागीदारी अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। आमना मिर्जा (एसएनसीडब्ल्यूएस की एसोसिएट प्रोफेसर) द्वारा संचालित कार्यक्रम का समापन राजनीति विज्ञान

विभाग के प्रोफेसर निसार उल हक द्वारा दिए गए विचारशील धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया